दैनिक सीमा किरण ||| समा

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उत्पादक कार्य करें ताकि उनकी इनकम बढ़े और वे आत्मनिर्भर बन सके : संभागीय आयुक्त

एसकेआरएयू के गोद लिए गांव पेमासर में आंवला प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सीमा किरण

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में आंवला प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी, विशिष्ट अतिथि नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया, एचडीएफसी बैंक मैनेजर धीरज सुथार और सरपंच प्रतिनिधि श्री भंवर लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ ममता सिंह व कृषि महाविद्यालय स्टाफ द्वारा गांव की महिलाओं को आंवला से कैंडी, शरबत, माउथ फ्रेशनर, लड्डू इत्यादि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभागीय आयुक्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बैंक से जो लोन लेती हैं उसका उत्पादक कार्यों में इस्तेमाल करें ताकि उनकी इनकम बढ़े और वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भर बन सके। नाबार्ड और जिला प्रशासन उनके उत्पाद की मार्केटिंग में पूरी सहायता करेगा। साथ ही कहा कि महिलाएं खुद के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि एसएचजी महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पादों की पैकेजिंग और मार्केटिंग भी की जाएगी। साथ ही एफएसएसएआई नंबर भी लिए जाएंगे। पेमासर गांव की एसएचजी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को 'हरियाली' ब्रांड नाम से लॉन्च किया जाएगा। इन उत्पादों को कृषि विश्वविद्यालय के बाहर बनी स्टॉल व मसाला चौक में जिला प्रशासन द्वारा जल्द अलॉट होने वाली शॉप पर भी रखा जाएगा। इससे होने वाली आय को संबंधित महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा। नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया ने बताया कि किस प्रकार नाबार्ड स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से और एसएचजी उत्पादों की मार्केटिंग में सहायता कर सकता है। एचडीएफसी बैंक मैनेजर धीरज सुथार ने महिलाओं को बताया कि स्वयं सहायता समूहों के डॉक्यूमेंटेशन पूरे हो ताकि बैंक लोन देने में आनाकानी ना करे। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने भी बताया कि गांव को गोद लेने के बाद कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रमों से किस प्रकार उन्हें फायदा हुआ है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर हुई। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने पेमासर गांव में यूनिवर्सिटी की ओर से अब तक किए गए कार्यों के बारे में बताया। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा, पूल व एफआईएमटीटीसी इंचार्ज व पेमासर गांव के समन्वयक डॉ वाई.के.सिंह,डॉ नीना सरीन, डॉ अदिति माथुर,डॉ मनमीत कौर, डॉ ममता सिंह, डॉ केशव मेहरा समेत बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

दैनिक सीमान्त रक्षक
मंगलवार, 03 दिसम्बर 2024
सूरतगढ़, जिला श्रीगंगानगर

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उत्पादक कार्य करें ताकि उनकी इनकम बढ़े और वे आत्मनिर्भर बन सके : श्रीमती वंदना सिंघवी, संभागीय आयुक्त

सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 2 दिसम्बर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में आंवला प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी, विशिष्ट अतिथि नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया, एचडीएफसी बैंक मैनेजर धीरज सुथार और सरपंच प्रतिनिधि भंवर लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ ममता सिंह व कृषि महाविद्यालय स्टाफ द्वारा गांव की महिलाओं को आंवला से कैंडी,

शरबत, माउथ फ्रेशनर, लड्डू इत्यादि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभागीय आयुक्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बैंक से जो लोन लेती हैं उसका उत्पादक कार्यों में इस्तेमाल करें ताकि उनकी इनकम बढ़े और वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भर बन सके। नाबार्ड और जिला प्रशासन उनके उत्पाद की मार्केटिंग में पूरी सहायता करेगा। साथ ही कहा कि महिलाएं खुद के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि एसएचजी महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पादों की पैकेजिंग और मार्केटिंग भी की जाएगी। साथ ही एफएसएसएआई नंबर भी लिए जाएंगे। पेमासर गांव की एसएचजी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को हरियाली ब्रांड नाम से लॉन्च किया जाएगा। इन उत्पादों को कृषि विश्वविद्यालय के बाहर बनी स्टॉल व मसाला चौक में जिला प्रशासन द्वारा जल्द अलॉट होने वाली शॉप पर भी रखा जाएगा। इससे होने वाली आय को संबंधित महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा। नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया ने बताया कि किस प्रकार नाबार्ड स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से और एसएचजी उत्पादों की मार्केटिंग में सहायता कर सकता है। एचडीएफसी बैंक मैनेजर धीरज सुथार ने महिलाओं को बताया कि स्वयं सहायता समूहों के डॉक्यूमेंटेशन पूरे हो ताकि बैंक लोन देने में आनाकानी ना करे। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने भी बताया कि गांव को गोद लेने के बाद कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रमों से किस प्रकार उन्हें फायदा हुआ है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर हुई। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने पेमासर गांव में यूनिवर्सिटी की ओर से अब तक किए गए कार्यों के बारे में बताया। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा, पूल व एफआईएमटीटीसी इंचार्ज व पेमासर गांव के समन्वयक डॉ वाई.के. सिंह, डॉ नीना सरीन, डॉ अदिति माथुर, डॉ मनमीत कौर, डॉ ममता सिंह, डॉ केशव मेहरा समेत बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

नई मंडी घडसाना क्षेत्र को मिली सीएनजी स्टेशन की सौगात

सीमान्त रक्षक न्यूज

घड़साना, 2 दिसम्बर। (राजेश सारस्वत) घड़साना के समीपवर्ती गांव रोजड़ी में भांभू फिलिंग स्टेशन पर सीएनजी स्टेशन का उद्घाटन पूर्व विधायक संतोष बावरी द्वारा किया गया कार्यक्रम के आयोजन कर्ता विजेंद्र भांभू ने बताया कि उपखंड घड़साना के अंदर पहली सीएनजी स्टेशन शुरू हुआ है उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण दिवस है इस अवसर पर पर्यावरण को बचाने में एक योगदान के रूप में सीएनजी स्टेशन शुरू किया गया है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक संतोष बावरी, घडसाना तहसीलदार बबीता ढिल्लें, थाना अधिकारी कलावती चौधरी, प्रधान प्रतिनिधि अशोक जाखड़ चैयरमैन नगर पालिका घड़साना संदीप सिंह ढिल्लें, पूर्व उप जिला प्रमुख नक्षत्र सिंह, रावला मंडल अध्यक्ष विक्रमसिंह रामगढ़िया, अनूपगढ़ नगर मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मा, नाहरवाली मंडल अध्यक्ष देवीलाल कूकणा, किसान नेता वीरदीप, पूर्व मंडल अध्यक्ष विनोद पारीक, पूर्व सरपंच ओम बेनीवाल, समाजसेवी विमला सियाग, भाजपा नेता मोहनलाल शर्मा, अनूपसिंह रामगढ़िया, गब्बर सिंह रामगढ़िया, सरपंच 7 एम एल डी कवरपाल बराड, पूर्व सरपंच जालवाली नवाब खां, नाहरवाली मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा केशु राम, विक्रम तंवर, वाईस चेयरमैन के बी एस एस बलवंत, मगत अग्रवाल, राजपाल व रोजड़ी व देशली ग्राम पंचायत के नागरिक मौजूद रहे।

स्वयं सहायता समूह : रोजगार का जरिया

सीमान्त रक्षक न्यूज

पोकरण, 2 दिसम्बर। कृषि विज्ञान

पालन को समूह की महिलाये हर महीने बचत करके उन्नत नस्ल की बकरी एवं भेड़ खरीदकर स्वरोजगार उत्पन्न करके आय सर्जित कर सकते

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उत्पादक कार्य करें ताकि उनकी इनकम बढ़े और वे आत्मनिर्भर बन सके: वंदना सिंघवी, संभागीय आयुक्त

एसकेआरएयू के गोद लिए गांव पेमासर में आंवला प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

ओम एक्सप्रेस

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में आंवला प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी, विशिष्ट अतिथि नाबार्ड डीडीएम श्री रमेश तांबिया, एचडीएफसी बैंक मैनेजर श्री धीरज सुथार और सरपंच प्रतिनिधि श्री भंवर लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ ममता सिंह व कृषि महाविद्यालय स्टाफ द्वारा गांव की महिलाओं को आंवला से कैंडी, शरबत, माउथ फ्रेशनर, लड्डू इत्यादि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभागीय आयुक्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बैंक से जो लोन लेती हैं उसका उत्पादक कार्यों में इस्तेमाल करें ताकि उनकी इनकम बढ़े और वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भर बन सके। नाबार्ड और जिला प्रशासन उनके उत्पाद की मार्केटिंग में पूरी सहायता करेगा। साथ ही कहा कि महिलाएं खुद के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि एसएचजी महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पादों की पैकेजिंग और मार्केटिंग भी की जाएगी। साथ ही एफएसएसएआई नंबर भी लिए जाएंगे। पेमासर गांव की एसएचजी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को हरियाली ब्रांड नाम से लॉन्च किया जाएगा। इन उत्पादों को कृषि विश्वविद्यालय के बाहर बनी स्टॉल व मसाला चौक में जिला प्रशासन द्वारा जल्द अलॉट होने वाली शॉप पर भी रखा जाएगा। इससे होने वाली आय को संबंधित महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा।

नाबार्ड डीडीएम श्री रमेश तांबिया ने बताया कि किस प्रकार नाबार्ड स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से और एसएचजी उत्पादों की मार्केटिंग में सहायता कर सकता है। एचडीएफसी बैंक मैनेजर श्री धीरज सुथार ने महिलाओं को बताया कि स्वयं सहायता समूहों के डॉक्यूमेंटेशन पूरे हो ताकि बैंक लोन देने में आनाकानी ना करे। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने भी बताया कि गांव को गोद लेने के बाद कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रमों से किस प्रकार उन्हें फायदा हुआ है।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर हुई। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने पेमासर गांव में यूनिवर्सिटी की ओर से अब तक किए गए कार्यों के बारे में बताया। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा, पूल व एफआईएमटीटीसी इंचार्ज व पेमासर गांव के समन्वयक डॉ वाई.के.सिंह,डॉ नीना सरीन, डॉ अदिति माथुर,डॉ मनमीत कौर, डॉ ममता सिंह, डॉ केशव मेहरा समेत बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

एसकेआरएयू के गोद लिए गांव पेमासर में आंवला प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उत्पादक कार्य करें ताकि उनकी इनकम बढ़े और वे आत्मनिर्भर बन सके : वंदना सिंघवी

■ लोकमत, बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में आंवला प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, विशिष्ट अतिथि नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया, एचडीएफसी बैंक मैनेजर धीरज सुथार और सरपंच प्रतिनिधि भंवर लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ ममता सिंह व कृषि महाविद्यालय स्टाफ द्वारा गांव की महिलाओं को आंवला से कैंडी, शरबत, माउथ फ्रेशनर, लड्डू इत्यादि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभागीय आयुक्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बैंक से जो लोन लेती हैं उसका उत्पादक कार्यों में इस्तेमाल करें ताकि उनकी इनकम बढ़े और वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भर बन सके। नाबार्ड और जिला प्रशासन उनके उत्पाद की मार्केटिंग में पूरी सहायता करेगा। साथ ही कहा कि महिलाएं खुद के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि एसएचजी महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पादों की पैकेजिंग और मार्केटिंग भी की जाएगी। साथ ही एफएसएसएआई नंबर भी लिए जाएंगे। पेमासर गांव की एसएचजी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को हरियाली ब्रांड नाम से लॉन्च किया जाएगा। इन उत्पादों को कृषि विश्वविद्यालय के बाहर बनी स्टॉल व मसाला चौक में जिला प्रशासन द्वारा जल्द अलॉट होने वाली शॉप पर भी रखा जाएगा। इससे होने वाली आय को संबंधित महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा। नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया ने बताया कि किस प्रकार नाबार्ड स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से और एसएचजी उत्पादों की मार्केटिंग में सहायता कर सकता है। एचडीएफसी बैंक मैनेजर धीरज सुथार ने महिलाओं को बताया कि स्वयं सहायता समूहों के डॉक्यूमेंटेशन पूरे हो ताकि बैंक लोन देने में आनाकानी ना करे। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने भी बताया कि गांव को गोद लेने के बाद कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रमों से किस प्रकार उन्हें फायदा हुआ है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर हुई। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने पेमासर गांव में यूनिवर्सिटी की ओर से अब तक किए गए कार्यों के बारे में बताया। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा, पूल व एफआईएमटीटीसी इंचार्ज व पेमासर गांव के समन्वयक डॉ वाई.के.सिंह,डॉ नीना सरीन, डॉ अदिति माथुर,डॉ मनमीत कौर, डॉ ममता सिंह, डॉ केशव मेहरा समेत बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उत्पादक कार्य करें ताकि उनकी इनकम बढ़े: संभागीय आयुक्त

एसकेआरएयू के गोद लिए गांव पेमासर में आंवला प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में आंवला प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी, विशिष्ट अतिथि नाबार्ड डीडीएम रमेश ताँबिया, एचडीएफसी बैंक मैनेजर डॉटयूपी सुथार और सरपंच प्रतिनिधि भंवर लाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ ममता सिंह व कृषि महाविद्यालय स्टाफ द्वारा गांव की महिलाओं को आंवला से कैंडी, शरबत, माउथ फ्रेशनर, लड्डू इत्यादि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभागीय आयुक्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बैंक से जो लोन लेती हैं उसका उत्पादक कार्यों में इस्तेमाल करें ताकि उनकी इनकम बढ़े और वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भर बन सके। नाबार्ड और जिला प्रशासन उनके उत्पाद की मार्केटिंग में पूरी सहायता करेगा। साथ ही कहा कि महिलाएं खुद के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि एसएचजी महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पादों की पैकेजिंग और मार्केटिंग भी की जाएगी। साथ ही एफएसएसएआई नंबर भी लिए जाएंगे। पेमासर गांव की एसएचजी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को 'हरियाली' ब्रांड नाम से लॉन्च किया जाएगा। इन उत्पादों को कृषि विश्वविद्यालय के बाहर बनी स्टॉल व मसाला चौक में जिला प्रशासन द्वारा जल्द अलॉट होने वाली शॉप पर भी रखा जाएगा। इससे होने वाली आय को संबंधित महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा। नाबार्ड डीडीएम रमेश ताँबिया ने बताया कि किस प्रकार नाबार्ड स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से और एसएचजी उत्पादों की मार्केटिंग में सहायता कर सकता है। एचडीएफसी बैंक मैनेजर धीरज सुथार ने महिलाओं को बताया कि स्वयं सहायता समूहों के डॉक्यूमेंटेशन पूरे हो ताकि बैंक लोन देने में आनाकानी ना करे। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने भी बताया कि गांव को गोद लेने के बाद कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रमों से किस प्रकार उन्हें फायदा हुआ है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर हुई। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने पेमासर गांव में यूनिवर्सिटी की ओर से अब तक किए गए कार्यों के बारे में बताया। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा, पूल व एफआईएमटीटीसी इंचार्ज व पेमासर गांव के समन्वयक डॉ वाई.के.सिंह,डॉ नीना सरीन, डॉ अदिति माथुर,डॉ मनमीत कौर, डॉ ममता सिंह, डॉ केशव मेहरा समेत बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।